

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहले हवे कि देस स्वास्थ्य से लेके सामाजिक सुरक्षा ले सज्जों क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ि रहल हौ। आकाशवाणी से आजु मन की बात कार्यक्रम में श्री मोदी कहलें कि आजु देस क जनता कउनो न कउनो सामाजिक सुरक्षा क फायदा ले रहल हौ। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन क एगो रिपोर्ट क हवाला देत उहां क कहली कि देस क 64 फीसदी से ज्यादा आबादी के कउनो न कउनो सामाजिक सुरक्षा क फायदा मिल रहल हौ।

भारत में स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में देश सेचुरेशन की भावना से आगे बढ़ रहा है। ये सामाजिक न्याय की भी उत्तम तस्वीर है। इन सफलताओं ने एक विश्वास जगाया है, कि आने वाला समय और बेहतर होगा, हर कदम पर भारत और भी सशक्त होगा।

श्री मोदी कहले कि भारत सामाजिक सुरक्षा देहले में दुनिया के सबसे बढ़हन देसन में सामिल हौ। उहां के विश्व स्वास्थ्य संगठनों के रिपोर्ट क जिकीर कइलीं, जेह में भारत के आँख क बेमारी ट्रेकोमा से मुक्त घोसित कइल गइल हौ।

आप में से बहुत से लोगों ने आँखों की एक बीमारी के बारे में सुना होगा – ट्रेकोमा। ये बीमारी बैक्टीरिया से फैलती है। एक समय था जब ये बीमारी देश के कई हिस्सों में आम थी। ध्यान नहीं दिया जाए, तो इस बीमारी से धीरे-धीरे आँखों की रोशनी तक चली जाती थी। हमने संकल्प लिया कि ट्रेकोमा को जड़ से खत्म करेंगे। और मुझे आपको ये बताते हुए बहुत खुशी है कि – 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने भारत को ट्रेकोमा फ्री घोषित कर दिया है।

प्रधानमंत्री आपातकाल क जिकीर करत कहले कि आपातकाल लगावे वाले सिरिफ संविधाने क हत्या नाही कइलें, बलुक उनकर इरादा न्यायपालिका के आपन गुलाम बनवले रहले के रहल। उहां के कहली कि हमन के हमेसा ओह लोगिन के याद रखे के चाही जे इमरजेंसी क मोकाबिला डटि के कइले रहले। प्रधानमंत्री हाले में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र गइल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्लो क जिकीर कइले अउर कहलें कि भारत एगो नया इतिहास रचले हौ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दुइ दिन्न के दौरा पे बिहने गोरखपुर आ रहल हइंन। इहां ऊ बिहने दुपहरिया में एम्स के पहिल दीक्षांत समारोह मे हिस्सा लीहे। जबकि अगिला दिन्न एक जुलाई के ऊ परदेस क पहिला महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय क लोकार्पण करिहें। एकरे सथही ऊ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित आकादमिक भवन, प्रेक्षागृह अउर पंचकर्म केन्द्र के लोकार्पण आ महिला हास्टल क सिलान्यास समारोहो में सामिल होइहें। येह दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथो मौजूद रहिहें। येह मौका पे सुरक्षा के पुरहर इतिजाम कइल गइल हौ। बिहने अउर परसो सहर क यातायात व्यवस्थो में जरूरी बदलाव हो रहल हौ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ में प्रदेश के भूतत्व एवं खनिकर्म बेभाग क समीक्षा बइठकी में कहले कि प्रदेश के एक ट्रिलियन डॉलर क अर्थव्यवस्था के लक्ष्य बदे खनन क्षेत्र क भूमिका बहुते खास हौ। ई क्षेत्र खाली खनिज उत्पादने के जरिया नाही हौ बलुक राज्य क आर्थिक प्रगति, निवेश संवर्धन अउर रोजगार सृजन क प्रभावशाली केन्द्र बनी गइल हौ। बइठकी में मुख्यमंत्री निरदेस दिहले कि नदियन के कैचमेंट एरिया में खनन क इजाजत न दिहल जाए। अइसन भइले पे जिम्मेदार अधिकारी जबाबदेह होइहे। उहां के इहो निरदेस देहली कि उप खनिजन के नया पट्टा क प्रक्रिया मानसून में पूरा हो जाए। जेह से 15 अक्टूबर से खनन सुरू हो सके।

आज 19वां सांख्यिकी दिवस हौ। ई दिन हर साल प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महलानोबिस के याद में मनावल जाला जे की सांख्यिकी अउर आर्थिक आयोजना क एगो नामी हस्ती रहले। आजु येह मौका पे लखनऊ आ मऊ समेत प्रदेश क कई जिला में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष थीमि पे कार्यक्रमन के आयोजन कइल गइल।

प्रदेस में मानसून क सक्रियता बढ़े लगल हौ। ज्यादातर जिला में बादर लागल हौ आ कुछ जगहिन पे रूकि रूकि के बरखा हो रहल हौ। गोरखपुर समेत प्रदेश के कई पूरबी जिलन में तापमान गिरले से लोगिन के कुछ हद ले राहत मिलल हौ। मौसम विभाग अगला चारि दिन्न ले प्रदेश में गरज चमक के साथे बरखा क आरंज अलर्ट जारी कइले हौ।
